[श्री जगत नारायण]

अखबार में यह खबर छपी है कि पालियामेंट के सामने जो हरिजन मेम्बरों ने भूख हड़ताल की थी इस बात के लिए कि पंजाब का विभाजन न हो, उनको सरकार ने गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया है। उन्होंने जेल में भूख हड़ताल की हुई है। अखबार में छपा है कि उनकी हालत नाजुक है और एक को अस्पताल में दाखिल कर दिया गया है। तो मैं कहूंगा होम मिनिस्टर साहब से कि इस मामले में जरूर बयान दें और यह बतलायें कि उनकी हालत कितनी नाजुक है और क्या गवर्नमेंट उनको छोड़ने का विचार कर रही है।

REFERENCE TO SHORTAGE OF KEROSENE IN ORISSA

SHRI BANKA BEHARY DAS (Orissa): Sir, I wish to draw the attention of the Government through you to the serious situation that has developed in Orissa due to shortage of kerosene. Not to speak of rural areas, even in Cuttack City most of the people are forced to use candles. Before introduction of the quota system Orissa was consuming more than 10,000 kilolitres of kerosene every month. But now the quota has been fixed at 7,000 kilolitres recently. But actually the supply is about 3,000 kilolitres. This has created a crisis and unless it is remedied, it may lead to an explosive situation. I hope the Government which is used to pressure-oriented tactics will not force the peace-loving people of Orissa to launch on a path of agitation. I hope the Minister concerned will reply.

REFERENCE TO RULES OF PROCEDURE

श्री राजनारायण (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, मैं अदब के साथ आपके द्वारा निवेदन करना चाहता हूं। यह सही है कि मैं इस सदन के लिए बिलकुल नया मेम्बर हूं. . .

श्री सभापति : मगर वैसे आप तजुरबेकार आदमी हैं।

श्री राजनारायण : लेकिन कुछ संसदीय परम्पराओं की जानकारी रखता हूं, पढ़ता रहता हूं। हमारे लिए आज तीन दिक्कतें बहुत महसूस हुई और तब से मैं सोच रहा हूं कि क्या मैं अपने संसदीय और जनतांत्रिक कर्तव्यों का पालन कर पा रहा हूं। एक तो. . .

श्री अर्जुन अरोड़ा (उत्तर प्रदेश) : इतनी जल्दी सोचने लगे।

श्री राजनारायण : समुचित नजर रखता हूं। एक तो, श्रीमन, हमारे यहां नियमावली में कार्यस्थगन प्रस्ताव की व्यवस्था नहीं है, दूसरे अविश्वास प्रस्ताव की व्यवस्था नहीं है और तीसरे जो प्रश्न के उत्तर सरकार की ओर से मिलते हैं, वे हमको भी मिलने चाहिएं, हर सदस्य को मिलने चाहिएं।

श्री सभापति : क्या चीज ?

श्री राजनारायण : प्रश्न। सवाल पूछते हैं, मंत्री जी जवाब देते हैं। मिसाल के लिए राज्यों को लघु उद्योगों के लिए इतनी-इतनी सहायता दी है। वह जो सदस्य पूछते हैं, वह जानते हैं, मंत्री जी जानते हैं। उसके लिए सप्लीमेंटरी प्रश्न पूछने के लिए हम तैयारी नहीं कर पाते। महाराष्ट्र में देखेंगे कि वहां की विधान सभा में यह व्यवस्था है। हमारे यहां उत्तर प्रदेश में नहीं है, उसके लिए. . .

श्री सभापति : राजनारायण जी आपने मुझे लिखा था ? आप मुझको इत्तिला भेजें, फिर उठाना चाहिए। यह बातें लिख कर दे दें, जो रूल्स कमेटी है उसके सामने पेश कर दी जायेंगी।

श्री राजनारायण : कोई कमेटी बनी है पहले से ?

श्री सभापति : पहले से रूल्स कमेटी बनी हुई है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (उत्तर प्रदेश) : सभापति जी, यह शिकायत जायज़ है कि जिन बातों के बारे में स्टेटमेंट दिए जाते हैं, उन स्टेटमेंटों की कापियां बहुत कम रहती हैं। जो सदस्य प्रश्न पूछते हैं, उन्हीं को कापी